[66-A48] Seat No. __________

No. of printed pages: 02

SARDAR PATEL UNIVERSITY
BA (I Semester) Examination
Tuesday, 22nd November, 2016
2.00 pm - 5.00 pm
UA01CHLT01 - Hindi - I - आधुनिक हिन्दी काव्य (रश्मिरथी)

कुल गुण : ७०

प्र.१ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए: (**किन्हीं तीन**) (१५)

१) तू दानी, मैं कुटिल प्रवंचक, तू पवित्र, मैं पापी,
तू देकर भी सुखी और मैं लेकर भी परितापी ।
तू पहुँचा है जहाँ कर्ण, देवत्त्व न जा सकता है,
इस महान पद को कोई मानव ही पा सकता है ।

२) मैं देख रहा हूँ जननि । कि कल क्या होगा ।
इस महासमर का अंतिम फल क्या होगा ।
लेकिन, तब भी मन तनिक न घबराता है,
उत्साह और दुगना बढ़ता है ।

३) मित्रता बड़ा अनमोल रतन, कब इसे तोल सकता है धन ?
धरती की तो है क्या बिसात, आ जाय अगर बैकुण्ठ हाथ,
उसको भी न्यौछावर कर दूँ,
कुरूपति के चरणों पर धर दूँ ।

४) पूछो मेरी जाति, शक्ति हो तो मेरे भुजबल से,
रवि समान दीपित ललाट से, और कवच कुँडल से,
पढो उसे जो झलक रहा है, मुझमें तेज प्रकाश,
मेरे रोम-रोम में अंकित है मेरा इतिहास ।

५) माँगो माँगो दान अन्न या वसन धाम या धन दूँ ?
अपना छोटा राज्य या कि क्षणिक जीवन दूँ ?
मेघ भले लौटे उदास हो किसी रोज सागर से,
याचक फिर सकते निराश नहीं कर्ण के घर से ।

प्र.२ 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए । (२०)

अथवा

प्र.२ टिप्पणी लिखिए ।

१) 'रश्मिरथी' का संदेश ।

२) 'रश्मिरथी' का शीर्षक ।

प्र.३ 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर अर्जुन की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । (२०)

अथवा

प्र.३ संक्षेप में लिखिए ।

१) 'रश्मिरथी' के प्रथम सर्ग का कथानक ।

२) 'रश्मिरथी' का परशुराम ।

प्र.४

(अ) संक्षेप में लिखिए: (**कोई एक**) (०८)

१) 'रश्मिरथी' की समस्याएँ ।

२) 'रश्मिरथी' की भाषा शैली ।

(ब) निम्नलिखित में से **किन्हीं सात** प्रश्नों के अतिसंक्षेप में उत्तर लिखिए । (०७)

१) 'रश्मिरथी' के कवि का क्या नाम है ?

२) 'रश्मिरथी' का अर्थ लिखिए ।

३) 'रश्मिरथी' नाम किसके लिए प्रयुक्त है ?

४) कर्ण दुर्योधन को अपना मित्र क्यों मानता है ?

५) कर्ण को दानवीर क्यों कहा जाता है ?

६) एकध्नी अस्त्र की क्या विशेषता थी ?

७) कर्ण की मृत्यु किसके द्वारा हुई थी ?

८) कर्ण के पिता का क्या नाम है ?

९) अश्वसेन सर्प ने कर्ण से क्या कहा ?

☺☺☺☺☺